ter of PARLIAMENTARY AFFAIRS be pleased to state :

(a) what is the number of letters written by the Members of Parliament to his Ministry during the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1993 alongwith year-wise details thereof;

(b) What is the number of letters out of them that were acknowledged;

(c) What is the number of letters in respect of which final replies were sent; and

(d) What is the break up of final letters issued by the Ministry containing positive and negative replies respectively ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI VIDYACHARAN SHUKLA) : (a) to (d) The requisite information is as under :

No. of letters received year-wise		Final replies sent	Interim reply sent	No reply was required
1990-91	385	363	1	21
1991-92	1161	1139	—	22
1992-93	447	393	—	54
Total	1993	1895	1	97

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कृषि उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धा

*476. **प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सीमाशुल्क तथा व्यापार संबंधी सामान्य करार को अपनी स्वीकृति प्रदान करने के उपरान्त देश के कृषि उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सफल प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता का अनुभव करती है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में कृषि-उत्पादों की उत्पादन लागत में निरन्तर वृद्धि होने के कारण उनकी मूल्यों में वृद्धि हो रही है;

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान गेहूं और चावल के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार की इन मदों के संबंध में क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) क्या इन वस्तुओं के मूल्यों में निरन्तर वृद्धि हो रही है, यदि हां, तो कृषि उत्पादों की लागत में कमी और उनके मूल्यों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की भावी योजना क्या है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) हां ।

(ख) से (घ) आदान मूल्यों, अर्थव्यवस्था में सामान्य तौर पर मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति आदि के कारण उत्पादन लागत में हुई बढ़ोतरी की वजह से गेहूं तथा चावल सहित कृषि जिंसों के मूल्य में वृद्धि हुई है । सरकार की नीति का उद्देश्य फसल विशिष्ट विकास कार्यक्रमों के तहत उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रचार-प्रसार करके उत्पादकता में सुधार लाकर उत्पादन की प्रति इकाई लागत को कम करना है। कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं की पूर्ति सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नियंत्रित मूल्यों पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति करके की जाएगी ।

Admission to Professional Colleges

*477. **SHRI SURESH KALMADI :**
SHRI S. MADHAVAN :

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :